माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

20 पृष्ठीय 2019

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक 219-5826220

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 0 1 9 2 4 3 7 4 8 1

शब्दों में: एक नौ दो चार तीन सात चार आठ एक

उदाहरणार्थ

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 12

ग :– परीक्षा का दिनांक 19 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

High School Cert Examination

केन्द्र क्रमांक: 241044

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
क्रांति ईकवार 19.3.2019	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंको की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
M.P.CHOUBEY 9770545	9770010

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांक की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

प्राप्तांक (अंकों में)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 1 का उत्तर

(i.) (क.) कृष्ण के

(ii.) (घ.) शहद

(iii.) (घ.) प्रव्राजिका आत्मप्राणा

(iv.) (घ.) कृतघ्न

(v.) (ख.) रति

B
S
E

प्रश्न क्र. 2 का उत्तर

(i.) गाँवों में

(ii.) महादेवी वर्मा

(iii.) माद्री

(iv.) सोलह (16)

(v.) पंचवटी

4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ क्र. अंक =

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 3 का उत्तर

(i.) सत्य

(ii.) सत्य

(iii.) असत्य

(iv.) असत्य

(v.) असत्य

B
S
E

प्रश्न क्र. 4 का उत्तर

'अ'	'ब'
(i.) पद्य की पहचान	- (ङ.) हरिवंशराय बच्चन
(ii.) श्री कृष्ण	- (क.) सोलह कलाओं के अवतार
(iii.) नर्मदा	- (ग.) अमरकंटक
(iv.) संधि को तोड़ना	- (ख.) विच्छेद
(v.) संचारी भावों की संख्या	- (घ.) 33

5 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. ५ का उत्तर

(i.) साधु से कभी उसकी जाति नहीं पूछनी चाहिए। उससे केवल ज्ञान की बातें पूछनी चाहिए।

(ii.) शिवाजी के पुत्र का नाम सम्भाजी था।

(iii.) भगिनि भगिनी निवेदिता का मूल नाम मार्गरेट एलिजाबेथ नोबुल था।

(iv.) अद्वितीय।

(v.) वियोग श्रृंगार रस (स्थायी भाव - रति)

प्रश्न 6 का उत्तर

श्रद्धा का गायन स्वर मधुकरी की मधुर गुंजार की तरह है।

प्रश्न 7 का उत्तर

कवि नागार्जुन ने हिमालय की झीलों पर हंसों को तैरते हुए देखा है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 8 का उत्तर

तुलसीदास जी के मन-मंदिर में सदैव राजा दशरथ के चारों पुत्र राम-लक्ष्मण भरत-शत्रुघ्न विहार करते रहते हैं।

प्रश्न 9 का उत्तर

'मोम के बंधन सजीले' से कवयित्री महादेवी [illegible] का आशय सांसारिक मोह-माया [illegible]वं बाहिरी विषय वासनाओं से है।

प्रश्न 10 का उत्तर

'कल्याण की राह' पाठ में कवि नरेश [illegible]हता सूरज के साथ चलने की बात कह [illegible] है। जिस प्रकार सूरज निरंतर चलता [illegible]ता है उसी प्रकार तुम भी दिन-रात चलते रहो।

प्रश्न 11 का उत्तर

[illegible]न्दी की प्रथम [illegible] 'एक घूँट' को [illegible]माना गया है। [illegible] एक जयशंकर-[illegible]साद जी

प्रश्न 12 का उत्तर

तेजस्वी पुरुष लाला लाजपतराय की दो विशेषताएं एक उनकी वाणी और दूसरी उनकी कलम। उन्होंने देश की गुलामी के समय अपनी वाणी और कलम दोनों से देशवासियों को देशहित के लिए जाग्रत किया। जिसके सभी देव देशवासी अपने अधिकार के लिए खड़े हुए।

प्रश्न 13 का उत्तर

शास्त्रों में कहा गया है कि यदि धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है तो ऐसी परिस्थिति में सिद्ध मिथ्या भाषण भी सत्य से बड़ी वस्तु बन जाता है।

प्रश्न 14 का उत्तर

यक्ष के संसार के सबसे बड़े आश्चर्य संबंधी प्रश्न का उत्तर देते हुए युधिष्ठिर ने कहा कि "प्रतिदिन आँखों के समक्ष न जाने कितने प्राणियों को मौत के मुँह में जाते देख, बचे हुए प्राणी यह प्रार्थना करते हैं कि हम अमर रहें। यह कितने आश्चर्य की बात है"

प्रश्न क्र.

प्रश्न 15 का उत्तर

(i) तुम अपना कार्य करो।

(iii) अरे ! सीता गाना गाती है।

प्रश्न 16 का उत्तर

महाकाव्य- जहाँ नायक-नायिका के ... जीवन का सांगोपांग चित्रण ...ता है, महाकाव्य कहलाता है। इसमें आठ या इससे अधिक सर्ग होते हैं।
उदाहरण - साकेत (मैथिलीशरण गुप्त)
कामायनी (जयशंकर प्रसाद)

प्रश्न 17 का उत्तर

वनवास की कठिनाइयों के बीच अर्जुन, भीम और युधिष्ठिर को अनेक अनुभव और आशीर्वाद प्राप्त हुए।
वनवास के समय अर्जुन को इन्द्र देव के दर्शन एवं उनसे दिव्यास्त्र प्राप्त हुए।
भीम की हनुमान से भेंट एवं आलिंगन के पश्चात 10000 गुना बल प्राप्त हुआ।
युधिष्ठिर को विषैले तालाब के निकट धर्मदेव (यक्ष) ने दर्शन दिए। और आशीर्वाद दिया कि उनका वनवास व अज्ञातवास बाधारहित सफल हो जाएगा।

9

प्रश्न क्र.

प्रश्न 18 का उत्तर

(i.) (सो जाना) नींद आ जाना
मोहन की पढ़ाई करते-करते आँख लग गई।

(ii.) भाग जाना
चोर पुलिस को देखकर नौ-दो ग्यारह हो गए।

(iii.) मूर्ख होना।
मोहन तुम तो अक्ल के दुश्मन हो।

प्रश्न 19 का उत्तर

स्थायी भाव	संचारी भाव
1. सहृदय के हृदय में जो भाव स्थाई रूप से विद्यमान हैं स्थायी भाव कहलाते हैं।	1. आश्रय के चित्त में उपस्थित अस्थिर मनोविकारों को संचारी भाव कहते हैं।
2. प्रत्येक रस का एक स्थायी भाव रहता है। इनकी कुल संख्या 10 है।	2. इन्हें व्यभिचारी भाव भी कहते हैं, इनकी कुल संख्या 33 मानी गई है।
3. यह भाव सदैव हृदय में स्थाई रूप से विद्यमान रहते हैं	3. यह भाव कुछ समय के लिए उत्पन्न होते हैं और फिर नष्ट हो जाते हैं
4. उदा० - रति, भय	4. उदा० - ग्लानि, मद, शंका।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 20 का उत्तर

प्रयोगवादी कवियों की विशेषताएं-

1. नवीन उपमानों का प्रयोग- इस युग के कवियों ने पुराने, प्रचलित उपमानों के स्थान पर नवीन उपमानों का प्रयोग किया है। वे मानते हैं कि काव्य के पुराने उपमान अब बासी पड़ गए हैं।

2. प्रेम भावनाओं का खुला चित्रण- इस युग के कवियों ने प्रेम भावनाओं का अत्यंत खुला चित्रण कर उसमें अश्लीलता का समावेश कर दिया है।

3. बुद्धिवाद की प्रधानता
4. अहं की प्रधानता

प्रतिनिधि कवि अज्ञेय- हरी घास पर क्षण भर
मुक्तिबोध- चाँद का मुँह टेढ़ा है, भूरी-भूरी खाक धूल

MADHYAPRADESHBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र. प्रश्न 21 का उत्तर

जीवनी	आत्मकथा
1. अपने जीवन की घटनाओं का दूसरे द्वारा लिखा हुआ विवरण जीवनी कहलाती है।	1. अपने जीवन की घटनाओं का स्वयं लिखा हुआ विवरण आत्मकथा कहलाती है।
2. जीवनी किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के विषय में ही लिखी जाती है।	2. इसकी एक मात्र कसौटी है 'मैं अपने को कितनी निर्ममता से छील सकता हूँ।' इसीलिए उदार हृदय वाले व्यक्ति ही आत्मचरित्र लिख सकते हैं।
3. जीवनी में लेखक किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, कृतित्व व उपलब्धियों का वर्णन करता है, जीवनी विस्तृत-बृहद होती है।	3. आत्मकथा में लेखक अपनी बीती हुई बातों का सिंहावलोकन करता है। यथार्थपरकता इसका सबसे बड़ा दृष्टिकोण है।
	4. आत्मकथा जीवनी की अपेक्षा लघु आकार की होती है।

जीवनी - अमृतराय द्वारा रचित 'कलम का सिपाही' मुंशी प्रेमचंद की जीवनी

आत्मकथा - हरिवंशराय बच्चन - क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड़ का निर्माण फिर बसेरे से दूर

(12) [ ] + [ ] = [ ]
चे पृष्ठ कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न 22 का उत्तर
जयशंकर प्रसाद
रचनाएँ - कामायनी (महाकाव्य), लहर
आँसू, झरना आदि।

भाव पक्ष - प्रसाद जी छायावाद के प्रतिनिधि कवि है आपने अपने महाकाव्य कामायनी में समरसता का संदेश दिया है। प्रसाद मूलतः दार्शनिक कवि हैं अतः दार्शनिकता का पुट भी आपके काव्य में देखा जा सकता। आपने प्रकृति के मृदु के साथ-2 कर्कश चित्रों का सजीव वर्णन किया है। आपने अपने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह किया है।

B
S
E

कला पक्ष - प्रसाद जी की भाषा परिमार्जित व्यवहारिक, संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली है। आपके काव्य में ओज, प्रसाद व माधुर्य गुण कूट-कूट कर भरा हुआ है। भाषा भावानुकूल व सरल है। आपका काव्य विभिन्न अलंकारों से मुण्डित है। आपने नवीन छंदों को अपनाया है। आँसू रचना में अपनाए गए छंदों को 'आँसू छंद' के नाम से जाना जाता है।

साहित्य में स्थान - प्रसाद जी का आधुनिक हिन्दी साहित्य में प्रमुख स्थान है। कवि के साथ-2 नाटक कहानी एवं एकांकीकार के रूप में आप सदैव भारतीय साहित्य में स्मरणीय रहेंगे।

प्रश्न क्र.

प्रश्न 23 का उत्तर
वासुदेव शरण अग्रवाल

रचनाएँ - निबंध - कल्प वृक्ष, कला और संस्कृति
उर - ज्योति
समीक्षा - कालिदास के मेघदूत

भाषा-शैली अग्रवाल जी की भाषा शुद्ध, परिमार्जित खड़ी बोली है। आपने भाषा में यथास्थान मुहावरे, लोकोक्तिओं का प्रयोग किया है। यत्र-तत्र प्रचलित शब्दों का भी प्रयोग है। आपने जहाँ-तहाँ बड़े शब्दों का प्रयोग किया परंतु भाषा का रूप जटिल नहीं होने दिया है। अनेक देशज शब्दों का भी प्रयोग है।
अग्रवाल जी ने गवेषणात्मक शैली को अपनाया है। जो पुरातत्व विभाग के अन्वेषणों से संबंधित है। निबंध प्रायः विवरणात्मक व कथात्मक शैली में होते हैं तो वाक्य विन्यास समास शैली में होते हैं। स्पष्टता, बोधगम्यता प्रभावोत्पादकता निबंधों को विशेष आकर्षक बनाते है।

साहित्य में स्थान- अग्रवाल की स्थान निबंधो के क्षेत्र में प्रमुख है। उन्होंने अनेक विचारात्मक निबंध लिखक साहित्य में ख्याति प्राप्त की है।

B
S
E

14 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ ...क

SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न 25 उत्तर

भर रही - - - - - - - - वसंत?

स्संदर्भ - प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'नवनीत' के अंतर्गत पाठ 'शौर्य और देश प्रेम' के शीर्षक 'वीरों का कैसा हो वसंत ?' नामक कविता से अवतरित है। जिसकी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान है।

प्रसंग - प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री ने वसंत के वातावरण को बताया है।

व्याख्या - कवयित्री कहती है कि वसंत ऋतु के अवसर पर एक ओर कोयल मधुर तान भर रही है वहीं दूसरी ओर युद्ध का बाजा मारु बज रहा है। इस प्रकार रंग (आनंद) और रण (युद्ध) का वातावरण बन रहा है। कवयित्री को ऐसा प्रतीत होता है मानो आदि - अंत एक दूसरे से मिलने को आए है। अतः इस बेला में वीरों का वसंत कैसा होना चाहिए ?

B
S
E

...व्य सौन्दर्य - (1) रस - वीर (उत्साह स्थाई भाव)
(2) गुण - ओज गुण
(3) भाषा - शुद्ध, साहित्यिक खड़ीबोली

प्रश्न 25 का उत्तर

शास्त्रों में - - - - - - - - जाता है।

संदर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'नवनीत' के अंतर्गत एकांकी 'सच्चा धर्म' से अवतरित है। जिसके लेखक सेठ गोविन्द दास हैं।
प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने सत्य-असत्य की बड़ी बारीकी से व्याख्या की है।
व्याख्या- 'सच्चा धर्म' एकांकी का मुख्य पात्र पुरुषोत्तम अपनी पत्नी अहिल्या से कहते हैं कि शास्त्रों में सत्य-असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। अनेक बार सत्य के स्थान पर मिथ्या भाषण सत्य से बड़ी वस्तु होती है। जीवन में धर्म से बड़ी कोई चीज नहीं है। धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है तो ऐसी परिस्थिति में असत्य सत्य से बड़ा हो जाता है। इसीलिए सदैव धर्म का पालन करना चाहिए।

विशेष - भाषा - खड़ी बोली का परिमार्जित व्याकरण सम्मत रूप।
शैली - सरल, सहज, प्रवाहमयी शैली।
प्रतीकों का प्रयोग
धर्म संबंधी बातें

प्रश्न क्र.

प्रश्न 26 का उत्तर

स्वार्थ-परमार्थ - - - - - देते हैं।

(i.) शीर्षक - मानवता का सर्वोत्तम गुण "परोपकार"

(ii.) 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है।

(iii.) वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए धूप आँधी वर्षा और तूफानों मे अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं। इस प्रकार ये हमें परोपकार का संदेश देते हैं।

(iv) सारांश - 'पर' के लिए सर्वस्व बलिदान ही सच्ची मानवता है यही धर्म, पुण्य है। परोपकार है। प्रकृति हमें परोपकार का संदेश देती है नदी, वृक्ष आदि सभी परोपकार करते है। मानव को भी परोपकारी बनना चाहिए।

(17) + =
प्रश्न 27 का उत्तर

प्रार्थना पत्र

न्यु कॉलोनी 23/01 मार्ग
सागर, मध्यप्रदेश

सेवा में,
श्रीमान जिलाधीश महोदय जी,
सागर, मध्यप्रदेश
विषय- ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय,
मैं आपका ध्यान न्यु कॉलोनी में ध्वनि विस्तारक यंत्रों से उत्पन्न शोर की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। अभी बोर्ड और इन्टरमीडियट की परीक्षाएं सम्पन्न हो रही है। लेकिन ध्वनि विस्तारक यंत्रों से उत्पन्न शोर के कारण विद्यार्थी अपने अध्ययन को ठीक तरह से नहीं कर पा रहे हैं। उनका चित्त पढ़ाई में नहीं लग पा रहा है।
अतः आपसे सानुरोध है कि आप ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने का आदेश दें। जिससे छात्र अपनी पढ़ाई अच्छी तरह कर पाए।

धन्यवाद

भवदीय
गगन

दिनॉक
19/03/19

18 + =

यो. पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 10 के अंक

प्रश्न क्र. प्रश्न 28 का उत्तर

रूपरेखा

(ब.) पुस्तकालय
1. प्रस्तावना,
2. पुस्तकालय की आवश्यकता,
3. पुस्तकालय का स्वरूप,
4. पुस्तकालय का महत्व,
5. पुस्तकालय और छात्र,
6. पुस्तकालय की उपयोगिता,
7. उपसंहार।

प्रश्न 28 का उत्तर 'अ'

वन संरक्षण

रूपरेखा -
1. प्रस्तावना,
2. वृक्षारोपण उपासना,
3. वनों से होने वाले प्रत्यक्ष लाभ,
4. वनों से होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ,
5. वनों के कटाव से हानि,
6. वृक्षारोपण के सरकारी प्रयास,
7. वन महोत्सव,
8. उपसंहार।

"वृक्ष है तो पर्यावरण है और
पर्यावरण से ही हम सब है।"

BSE

(1) + =

पृष्ठ के अंक   कुल अंक

प्रश्न क्र.

(1) प्रस्तावना - वन हमारी सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक है। वन महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। प्रारंभ में ऐसा अनुमान है कि पृथ्वी के एक चौथाई भाग पर वन थे। परंतु अब लकड़ी, ईंधन, आवास के लिए वनों की कटाई कर दी गई परिणामस्वरूप अब पृथ्वी के 19% भाग पर ही वन पाए जाते हैं वनों की लगातार कटाई से मृदा अपरदन, अतिवृष्टि अनावृष्टि जैसी समस्याएँ मानव के समक्ष आ खड़ी हुई है। अतः वनों का संरक्षण अति आवश्यक है। वन प्राकृतिक वनस्पति के जन्म-स्थल है। इन्हें बचाना हमारा कर्त्तव्य है।

(2) वृक्षारोपण उपासना - वन और संस्कृति का अटूट संबंध है। भारत में वृक्षों को भगवान के समान पूजा जाता है। इनमें, तुलसी, पीपल बरगद आदि की पूजा की जाती है। अश्व वृक्ष के तो ईष्ट में विष्णु, मध्य में शिव पश्च में ब्रह्मा का निवास होता है। ऐसी मान्यताएँ है।

(3) वनों से होने वाले प्रत्यक्ष लाभ - वनों से हमें लकड़ी (चीड़, देवदार, स्प्रूस आदि) प्राप्त होती है। जिससे फर्नीचर बनाया जाता है। वन जानवरों के लिए उत्तम चारागाह स्थल है। आधारभूत उद्योगों के लिए वन आवश्यक है। क्योंकि इन्हें कच्चा माल वनों से ही प्राप्त है) वनों से सरकार को राजस्व

प्रश्न क्र. (रायल्टी) के रूप में करोड़ों रुपयों की प्राप्ति होती है। वनों से प्राप्त उत्पाद लघुउद्योगों के विकास में भी सहायक है।
डॉ. पी. एच. चटरवक के शब्दों में- "वन राष्ट्रीय संपत्ति है सभ्यता के लिए इनकी नितान्त आवश्यकता है। ये केवल लकड़ी ही प्रदान नहीं करते बल्कि कई प्रकार के कच्चे माल, पशुओं के लिए चारा, राज्य के लिए आय भी पैदा करते हैं।"

(4.) वनों से होने वाले अप्रत्यक्ष लाभ - वनमृदा अपरदन को रोकते है, भूमि की उर्वरा शक्ति की तुलना में वृद्धि करते है। विदेशी सैलानियों को आकर्षित करते है। वन जलवायु को भी प्रभावित करते है। वनों को 'वर्षा का सन्चालक' कहा जाता है। सरदार पटेल ने कहा था कि 'यदि रेगिस्तान के प्रसार को रोकना है और मानव सभ्यता की रक्षा करनी है तो वृक्षारोपण करना होगा।' वृक्षारोपण से रेगिस्तान का प्रसार रुकता है।
जे. एस. कालिन्स ने कहा है कि "वन पर्वतों को थामे रहते है, नदियों, झरनों को बनाए रखते है। जलवायु को नियंत्रित करते है।"

(5.) वनों के कटाव से हानि - प्राकृतिक आपदाओं के लिए वनों का विनाश प्रमुख रूप से उत्तरदायी है। वनों के लगातार कटाव से जल को नियंत्रण करने की शक्ति घटी है, मृदा अपरदन बढ़ गया है। वन विनाश से सूखा एवं बाढ़ जैसी आपदाएँ देखने को मिल रही है। वनों के कटाव से प्रदूषण की मात्रा भी बढ़ गई है। अतः वनों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिससे ये हानि न हो पाएँ।

2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी	0 0 1	हिन्दी	19 03 19

10

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगाएं

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
केन्द्र क्रमांक: 241044
High School Cert. Examination

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
सरजु प्रसाद

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक.......................तक कुल प्राप्तांक [ ] = [ ]

(6.) वृक्षारोपण के सरकारी प्रयास - भारत सरकार ने 7 दिसम्बर 1988 को नवीन वन नीति लागू की है। इसके अलावा केन्द्रीय वन बोर्ड की स्थापना, वन सर्वेक्षण संगठन वन अग्नि नियंत्रण परियोजना, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान जैसी योजनाएँ भी शुरु की है। विश्व बैंक से प्राप्त वित्तीय सहायता से सामाजिक वानिकी योजना शुरु की गई है। 'हर बच्चे के लिए एक पेड़' स्कूलों कॉलेजों में यह नारा विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा रेल, सड़क, खेतों के किनारे वृक्षारोपण जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है।

B
S
E

पृष्ठ के अंकों का योग

②

प्रश्न क्र.

7. वन महोत्सव - वनों का क्षेत्रफल बढ़ाने के उद्देश्य से सन् 1950 में तात्कालीन कृषि मंत्री के.एम. मुंशी ने 'अधिक वृक्ष लगाओ' आंदोलन प्रारंभ किया। अब प्रतिवर्ष 1 से 7 जुलाई तक संपूर्ण देश में वन महोत्सव कार्यक्रम मनाया जाता है।

8. उपसंहार - वनों के साथ-2 मानव ने वन्य जीवों का भी बड़ी बेदर्दी से विनाश किया है। जिससे उनके अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो गया है। अतः वनों के साथ-2 वन्य जीवों का भी संरक्षण आवश्यक है। वन संरक्षण का कार्य स्थानीय लोगों को सौंपा जाना चाहिए जिससे वे अपनी आवश्यकता की पूर्ति के साथ उनका संपोषित प्रबंधन भी करेंगे। जैसे उत्तराखंड के चमोली जिले में वन संरक्षण हेतु 'चिपको आंदोलन' भी स्थानीय लोगों के द्वारा ही किया गया था।

गौरैया तुम सहम न जाना
नहीं मिलेगी सांस
वृक्ष सारे काट लिए हैं
कहाँ करोगी निवास।

B
S
E